सेवा भारती अवध प्रांत

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट

2023 -2024

sevabharti.avdha@gmail.com

www.sewabharatiawadh.org

@सेवाभारती अवध प्रान्त

Bharat Bhawan Kundri,
Rakabganj, Birhana Crossing,
Lucknow , Uttar pradesh.

सेवा भारती परिचय

सेवा भारती समाज में संचालित एक सेवा संगठन है। हमारे समाज में एक वर्ग ऐसा है जो सदियों से वंचित,उपेक्षित,पीड़ित एवं निर्धन जीवन जी रहा है ।ऐसा वर्ग सामान्यतया एक नगर में समूह के रूप में अलग-अलग स्थान पर निवास करता है जिन्हें हम सेवा बस्ती कहते हैं।

सेवा भारती का मूल उद्देश्य सेवा बस्ती में रहने वाले इन वंचित,उपेक्षित,पीड़ित एवं निर्धन लोगों को स्वावलंबी बनाकर सामाजिक सम्मान देते हुए समाज की मुख्य धारा के साथ आत्मसात करना है । अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्नत समाज के सहयोग से इन सेवा बस्तियों में शिक्षा,स्वास्थ्य ,स्वावलंबन और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा भारती कार्य करती है। उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ही समाज के मनीषियों ने वर्ष 2010 में सेवा भारती का गठन किया। अपने गठन के बाद से अब तक सेवा भारती समाज में होने वाले सेवा कार्यों का पर्याय हो गया है।समाज के ऊपर जब भी कोई विपदा आई हो सेवा भारती ने आगे बढ़कर उसका सामना किया एवं समाज के लोगों को उस विपदा से उभरने में पूरा सहयोग किया। विभिन्न प्रदेशों में बाढ़ भूस्खलन जैसे प्राकृतिक आपदाओं में सेवा भारती के सेवा भावी कार्यकर्ता सदैव अग्रणी भूमिका में रहे हैं।विश्व में कोरोना जैसे आपदाओं में से भारत का एक संतोषजनक रूप में उभरने में भी सेवा भारती के सहयोग की सर्वत्र प्रशंसा की गई। राष्ट्र एवं समाज निर्माण के इस कार्य में समाज के सभी लोगों को साथ लेते हुए सेवा बस्ती के हमारे उन बंधुओं का उन्नयन करना ही सेवा भारती का मुख्य उद्देश्य है।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सेवा भारती के अंतर्गत चार आयाम निश्चित किए गए हैं जिनके माध्यम से ही समस्त सेवा कार्य संचालित किये जा रहे हैं :-

शिक्षा: शिक्षा संस्कार केंद्र एक अद्वितीय पहल है जिसका उद्देश्य 5 से 12 वर्ष की ऐसी बालिकाओं और बालकों को शिक्षित करना है जो स्कूल नहीं जा पाते हैं या जिनकी अकादमिक प्रगति कमजोर है। इसके अलावा, यह केंद्र निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने, गरीब छात्रों के लिए कोचिंग सेंटर चलाने, वाचनालय स्थापित करने और छात्रावास प्रदान करने का कार्य भी करता है।
इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक करने के लिए, निम्नलिखित चरणों पर कार्य किया जा रहा है :-

1. **समुदाय से संपर्क करना :** समुदाय के वरिष्ठ लोगों एवं माता-पिता से मिलना और उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना ।
2. **शिक्षा केंद्र स्थापित करना :** समुदाय के बीच में ही एक शिक्षा केंद्र स्थापित करना जिससे बच्चों को आसानी से शिक्षित एवं संस्कारित किया जा सके ।
3. **योग्य शिक्षकों की नियुक्ति करना :** योग्य और समर्पित शिक्षकों को नियुक्त करना जो बच्चों को शिक्षित एवं संस्कारित करने में रुचि रखते हों।
4. **अनुकूल शिक्षा योजनाएं तैयार करना :** बच्चों की विभिन्न शैक्षिक एवं संस्कारित आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुकूल योजनाएं तैयार करना।
5. **स्कूल में नामांकन का प्रोत्साहन देना :** बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताना और उन्हें विद्यालय में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करना ।

इस प्रकार, हम बच्चों को शिक्षित, संस्कारित, जागरूक, चैतन्य, तेजस्वी और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं ।

स्वास्थ्य : स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने के लिए सेवा भारती ने कुछ उचित दिशाओं में कदम उठाये हैं एवं निम्नलिखित चरणों पर कार्य किया जा रहा है :-

1. **स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम :**

   स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आमतौर पर जनसंख्या को स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी और जागरूकता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जाते हैं। इनमें स्वास्थ्य संबंधित विषयों पर व्यावसायिक और व्यक्तिगत जानकारी शामिल होती है।

2. **चिकित्सा शिविर :**

   चिकित्सा शिविर में लोगों को नियमित चिकित्सा जांच और स्वास्थ्य सेवाओं के लाभ के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें चिकित्सा परीक्षण, वैक्सीनेशन, स्वास्थ्य संबंधित सेवाएं एवं अन्य गतिविधियाँ शामिल होती हैं।

3. **योग अभ्यास केंद्र :**

   योग अभ्यास केंद्र के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने के लिए योगाभ्यास की जागरूकता प्रदान करते हैं क्योंकि योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्थिति को सुधारा जा सकता है।

4. **चिकित्सा केंद्र :**

   चिकित्सा केन्द्रों में अलग अलग चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से विभिन्न रोगों के उपचार में सहयोग करते हैं, जैसे कि होम्योपैथिक, एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, और न्यूरोपैथी। ये केंद्र विभिन्न रोगों के उपचार में मदद करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को प्रोत्साहित करते हैं।

स्वावलंबन : स्वावलंबन के प्रति जागरूकता से बस्तियों में महिलाएं एवं पुरुष एक स्वावलंबी, स्वाभिमानी जीवन जी सकते हैं इसके महत्व को समझते हुए सेवा भारती विभिन्न बस्तियों में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से पिछले कई वर्षों से सफलतापूर्वक लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, साथ ही विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

1. **मेहँदी एवं सौन्दर्य प्रशिक्षण केंद्र :** इन केन्द्रों के माध्यम से महिलाओं विशेषकर युवतियों को रचनात्मक रूप से सुद्रिण बनाते हुए उनमे स्वावलंबी बनने के साथ साथ आत्मसम्मान की भावना को निखारने का प्रशिक्षण दिया जाता है ।

2. **कढ़ाई, सिलाई, बुनाई प्रशिक्षण केंद्र :** यहाँ पर महिलाओं और पुरुषों को कढ़ाई, सिलाई, और बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह कौशल उन्हें स्वावलंबी बनाने में मदद करता है।

3. **कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र :** यहाँ पर कंप्यूटर से संबंधित विषयों का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह उन्हें आधुनिक तकनीकी कौशल को विकसित करने में मदद करता है।

4. **जैविक खाद और पंचगव्य केन्द्र :** यहाँ पर देसी गाय के गोबर, मूत्र, दूध, दही, और घी से विभिन्न प्रकार की औषधियों का निर्माण करने की विधि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

5. **हस्त शिल्प केन्द्र :** यहाँ पर गोबर, मिट्टी एवं अन्य उपयोगी एवं अनुपयोगी वस्तुओं से दीपक,मूर्तियाँ,राखी एवं विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह एक ओर आर्थिक दृष्टि से तो वहीँ दूसरी ओर सांस्कृतिक दृष्टी से अति महत्वपूर्ण है।

6.**वैभव श्री केन्द्र :** वैभवश्री का उद्देश्य समूहों के माध्यम से समूह के सदस्यों के अन्दर आर्थिक पक्ष के साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का है,यह विभिन्न समूहों में समरसता व् एकरूपता के साथ कार्य करने की गुणवत्ता को बढ़ाने का मुख्य आधार भी बनता जा रहा है ।

इस प्रकार स्वावलंबन केन्द्रों के द्वारा विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण देने से लोग स्वाभिमानी और स्वावलंबी जीवन जीने की दिशा की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

सामाजिक : सेवा भारती विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समय समय पर समाज में सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से विशेषकर वर्त्तमान में युवा पीढ़ी के मानस पर पड़ रहे विभिन्न बाहरी दुष्प्रभावों को निष्फल करने के साथ उन्हें अपने सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान के साथ साथ समरसता का भाव जगाने का महत्वपूर्ण कार्य निरंतर कर रही है। ये कार्यक्रम विभिन्न अवसरों पर आयोजित होते हैं और समाज के सदस्यों को एक साथ आने का मौका प्रदान करते हैं।

कुछ प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम :

1.**भजन मंडली :** ये कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर निश्चित दिवस में आयोजित होते हैं जिसके माध्यम से भगवान की भक्ति और संगीत के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत बनाये रखने के साथ साथ समरसता व् एकात्म का भाव जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है। इनमें भक्तिभाव से गाए जाने वाले भजन किये जाते हैं एवं विशेष दिनों में अलग अलग प्रकार से सांस्कृतिक आयोजन भी होते हैं।

2.**यज्ञ हवन :** यज्ञ हवन धार्मिक अनुष्ठान है जिसमें अग्नि के माध्यम से देवताओं की पूजा की जाती है। ये आध्यात्मिक उन्नति और शांति के लिए किए जाते हैं।

3.**महापुरुषों की जयंती :** महापुरुषों की जयंती पर उनके जीवन और योगदान को स्मरण किया जाता है। इसमें उनके उपदेशों का पाठ और उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का विवरण सम्मिलित होता है।

4.**कन्यापूजन :** कन्यापूजन एक पारंपरिक संस्कृति है जिसमें युवा कन्याओं की पूजा की जाती है। इसके माध्यम से उन्हें आशीर्वाद दिया जाता है साथ ही वर्तमान युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक धरोहरों व् मूल्यों के प्रति जागरूक होने का अवसर भी प्राप्त होता है।

RSB FOUNDATION

सेवा कार्य प्रकार व संख्या - सेवा भारती

शिक्षा : 72

1. संस्कार 52
2. पाठदान केंद्र/ट्युशन केन्द्र 9
3. अभ्यासिका / स्टडी सेन्टर 2
4. प्राथमिक शाला (कक्षा 5 वीं तक) 1
5. हाईस्कूल / हायर सेकेन्डरी 1
6. प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग (उच्च शिक्षा हेतु) 1
7. आवासीय विद्यालय / गुरुकुल 2
8. छात्रावास 4

स्वास्थ्य : 43

1. ग्रामीण आरोग्य रक्षक / मित्र, आरोग्य पेटिका 1
2. स्वास्थ्य जागरण केंद्र 4
3. चलित चिकित्सालय (Mobile Dispensary) 5
4. स्थिर चिकित्सा केन्द्र (O.P.D.) छोटे / रुग्णालय 20
5. स्थिर चिकित्सालय (आवासीय) / अस्पताल (बड़े) 2
6. स्त्रण सहायता 2
7. न्यूरोथेरपी, फिजीओथेरपी, योग थेरपी, डायलेसिस 1
8. रक्तकोष / ब्लड बैंक 1
9. रुग्ण उपयोगी सामग्री केन्द्र 1
10. नेत्र कोप 2
11. योग शिक्षा केंद्र 3
12. औषधि केंद्र 1

स्वावलंबन : 18

1. स्वयं सहायता समूह (वैभव श्री) 2
2. सिलाई केंद्र 9
3. सौंदर्य प्रशिक्षण केंद्र/ मेहंदी प्रशिक्षण केन्द्र 4
4. स्वरोजगार केंद्र
   (राखी,विद्युत लड़ियाँ, सजावट, खाद्य सामग्री आदि) निर्माण 2
5. व्यवसाय तथा कौशल,अन्न और फल प्रक्रिया प्रशिक्षण 1

सामाजिक : 77

1. भजन मंडली 39
2. किशोरी विकास 8
3. मातृमंडली / सत्संग 2
4. अन्नदान केन्द्र 4
5. परिवार / कानूनी सहायता सलाह (Counselling) 7
6. वाचनालय / पुस्तकालय (सामाजिक) 1
7. अन्य सामाजिक 16

"सफलता का मुख्य आधार !
सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास है !!"

आयामशः सेवा कार्य सेवा भारती

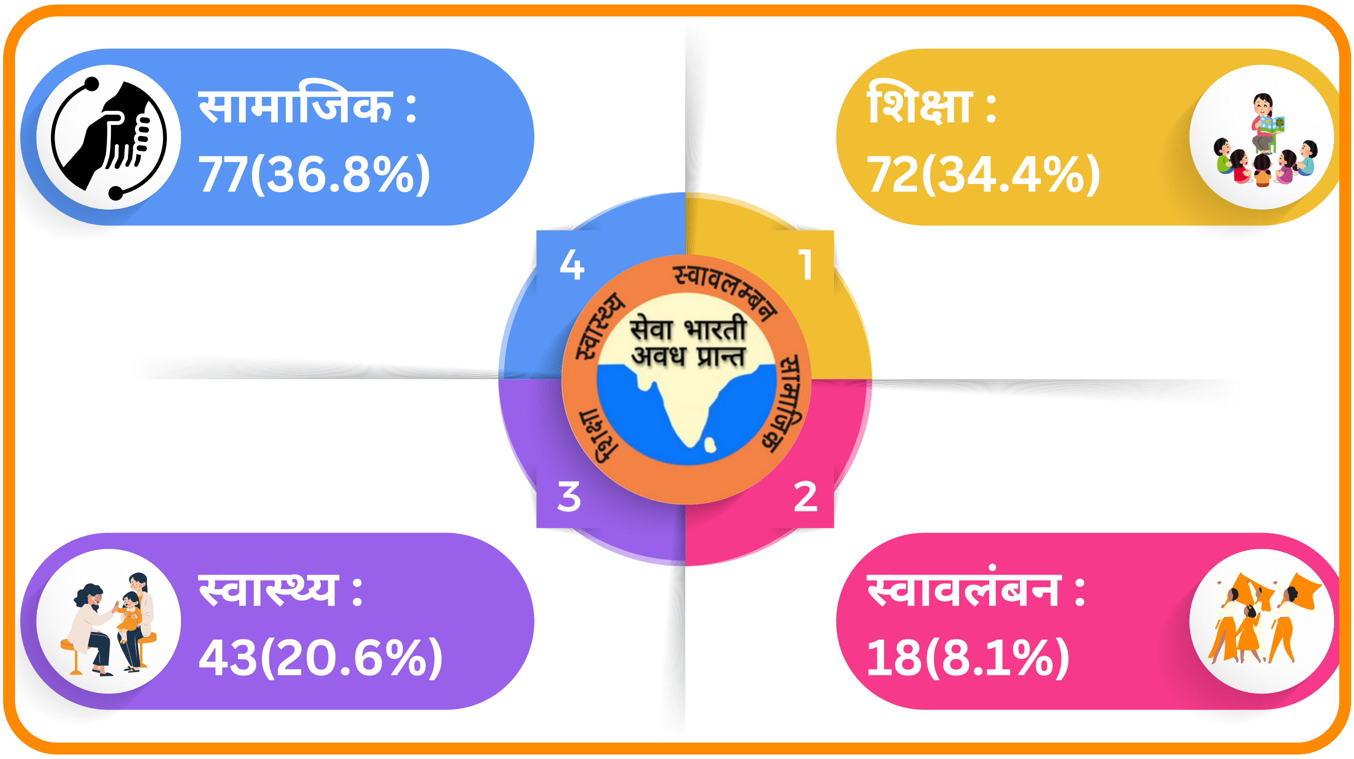

सेवा बस्ती तथा सामान्य बस्ती के कार्य के नगरीय अंतर्गत है :

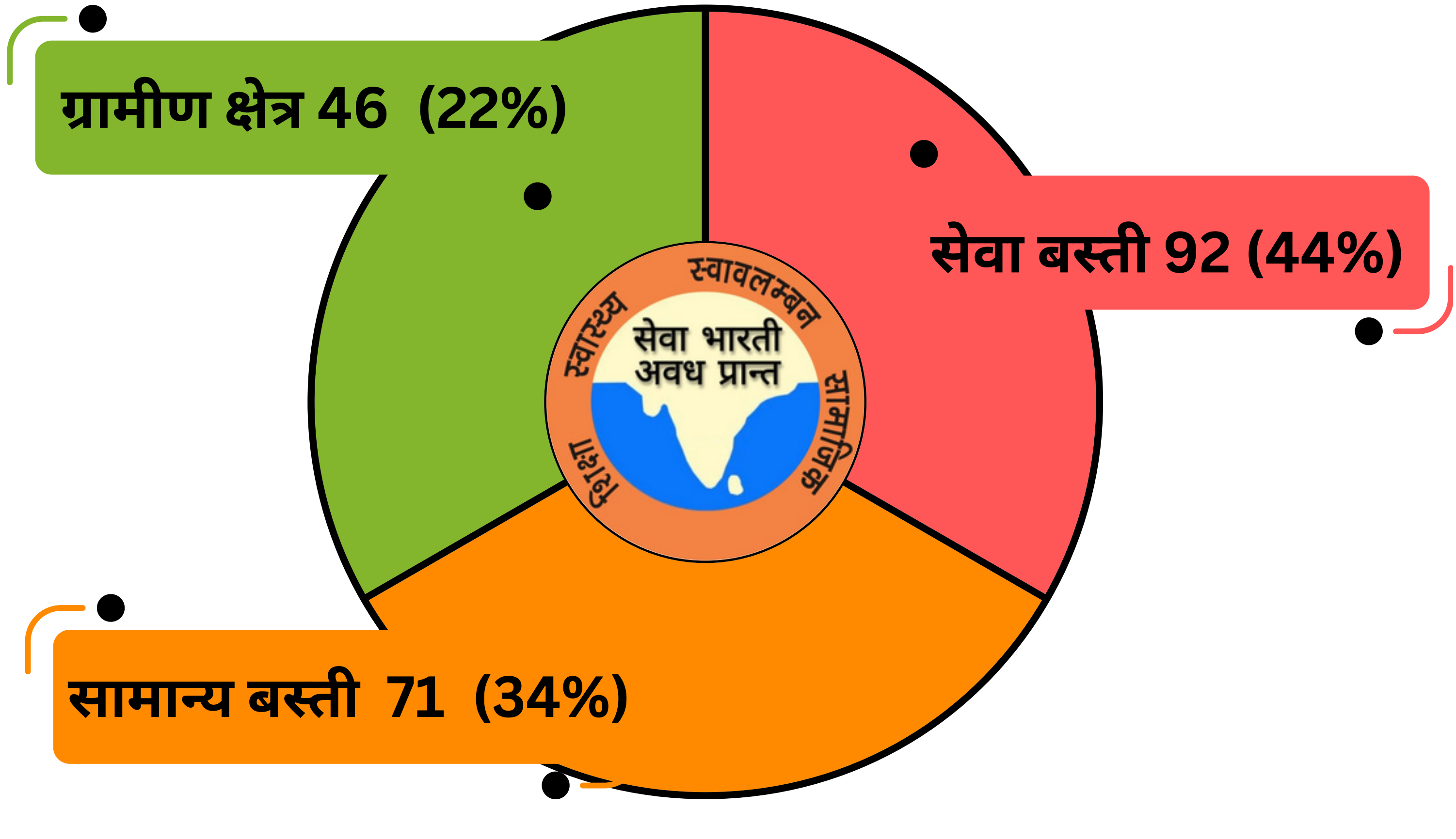

बालसंस्कार केंद्र

बाल्यकाल में बच्चों को अच्छे संस्कार देना और उनकी दिव्यता को बढ़ावा देना बेहद महत्वपूर्ण है। सेवा भारती 'बाल संस्कार केन्द्र' के माध्यम से बच्चों की योग्यताओं को विकसित करने का अवसर प्रदान करती है, जिससे वे अपने भविष्य को और अधिक उज्ज्वल बना सकें। यह उन्हें अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करता है और उन्हें समाज में एक सकारात्मक योगदान करने की प्रेरणा देता है साथ ही यह उन्हें देश की सेवा करने और समाज के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा देता है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

बालसंस्कार केंद्र के परिणाम

- शिक्षा के प्रति जागरूगता
- स्वास्थ्य के प्रति जागरूगता
- संस्कार के प्रति जागरूगता
- स्वच्छता के प्रति जागरूगता
- समाज के प्रति जागरूगता

संत विष्णु दास बाल संस्कार केन्द्र, विवेकानंद बस्ती, सुगामऊ

संत विष्णु दास बाल संस्कार केन्द्र, विवेकानंद बस्ती, सुगामऊ, पूर्व भाग,लखनऊ
शिक्षिका का नाम सुश्री पूजा जी हैं ।

यह केन्द्र थोड़ी दूर चल रहे अपने पुराने केंद्र स्वामी दीनदयाल बाल संस्कार केन्द्र की उप शाखा के रूप में शुरू हुआ है क्योंकि ग्राम बड़ा है व यहाँ के बच्चों में पढ़ाई को लेकर उत्साह भी दिख रहा था अत: एक और केंद्र की आवश्यकता वर्तमान में पड़ रही थी।सामान्य स्थिति में इस केन्द्र पर बच्चों की संख्या 40 तक भी पहुंच रही है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम दिखने शुरू हो चुके हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में विकास तेजी से बढ़ रहा है,वहीं दूसरी ओर उनके सामाजिक बर्ताव में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इस केंद्र की प्रारंभिक अवस्था को देखते हुए यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आने वाले समय मे बच्चों में विभिन्न रूपों में बदलाव व विकास देखने को मिलेगा क्योंकि की यहां के बच्चे पहले से ही आस पास होने वाले घटनाक्रम के प्रति जागरूक रहते हैं जैसे देश के बारे में पता होना।क्योंकि यह केंद्र एक मंदिर प्रांगण में चल रहा है अत: उसका भी प्रभाव सांस्कृतिक रूप से बच्चों पर व आस पास के ग्रामीण जनों पर साफ साफ देखा जा सकता है।सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क निरंतर बढ़ रहा है जिससे भावनात्मक जुड़ाव भी उत्पन्न हो रहा है।

रानी अहिल्याबाई होल्कर बाल संस्कार केन्द्र, रिक्शा कॉलोनी

रानी अहिल्याबाई होल्कर बाल संस्कार केन्द्र, रिक्शा कॉलोनी,दक्षिण भाग,लखनऊ में शिक्षिका का नाम श्रीमती ममता जी हैं ।
केद्र की वर्तमान सामान्य स्थिति में इस केन्द्र पर बच्चों की संख्या 20 से 30 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में तेजी से जहां एक ओर संस्कार विकसित हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर उनकी पढ़ने में भी रुचि बढ़ रही है।केंद्र में समय समय पर होने वाले कार्यक्रमो की वजह से वहां के आस पास भी एक उत्साहित माहौल विकसित हो रहा है जिससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग अच्छा महसूस कर रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहना भी एक सकारात्मक परिणाम की दिशा में एक कदम ही माना जा सकता है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट
2023-2024

स्वामी दीनदयाल बाल संस्कार केन्द्र, भगत सिंह बस्ती,सुगामऊ

स्वामी दीनदयाल बाल संस्कार केन्द्र, भगत सिंह बस्ती,सुगामऊ,पूर्व भाग,लखनऊ
शिक्षिका का नाम सुश्री रिशिता जी हैं।
केंद्र की वर्तमान में सामान्य स्थिति में इस केन्द्र पर बच्चों की संख्या 30 से 35 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है केंद्र में समय समय पर होने वाले सामूहिक कार्यक्रमो जैसे खेल,स्वछता अभियान,इत्यदि से भी बच्चों में जागरूकता देखने को मिलती है।जिसकी वजह से वहां के आस पास भी एक प्रकार से सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है और इससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग भी जुड़ रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहना,भावनात्मक रूप से ग्राम में एक उत्साह वर्धक परिणाम लेकर आ रहा है।

माँ सरस्वती बाल संस्कार केन्द्र,मचल खेड़ा, अर्जुन नगर

माँ सरस्वती बाल संस्कार केन्द्र,मचल खेड़ा, अर्जुन नगर,दक्षिण भाग,लखनऊ
शिक्षक का नाम श्रीमान अर्जुन जी हैं।केंद्र की वर्तमान सामान्य स्थिति में इस केन्द्र पर बच्चों की संख्या 20 से 25 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है जिसके परिणामस्वरूप यहां के बच्चों में संस्कार व शिक्षा को लेकर उत्साह जागृत हो रहा है, यह एक घनी आबादी वाली बस्ती है जो कि नगरीय क्षेत्र में आने से विकसित बस्ती है परन्तु आस पास के क्षेत्र के कुछ परिवारों के बच्चे यह केंद्र खुलने से बहुत खुश हैं क्योंकि उनको शिक्षा के साथ साथ संस्कार भी बताए जाते हैं और खेल भी करवाये जाते हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है केंद्र में समय समय पर होने वाले सामूहिक कार्यक्रमो के माध्यम से भी जागरूकता का प्रयास किया जा रहा है,जिसकी वजह से वहां के आस पास भी एक प्रकार से अच्छा वातावरण बन रहा है।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करना,बच्चों से आत्मीयता बढ़ाना, इत्यादि से भावनात्मक रूप से भी उत्तरोत्तर बढ़त देखने को मिल रही है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

प्रखर प्रेरणा बाल संस्कार केन्द्र, खरगापुर

प्रखर प्रेरणा बाल संस्कार केन्द्र, खरगापुर,पूर्व भाग,लखनऊ
शिक्षिका का नाम श्रीमती शालिनी जी हैं।
केंद्र की वर्तमान सामान्य स्थिति में इस केन्द्र पर बच्चों की संख्या 35 से 40 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है केंद्र में समय समय पर होने वाले सामूहिक कार्यक्रमो जैसे खेल,स्वछता अभियान,जागरूकता अभियान,प्रश्नोत्तरी,इत्यदि से भी बच्चों में उत्साह जनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं,जिसकी वजह से बच्चों का मानसिक व शारिरिक विकास तेजी से बढ़ रहा है एवम वहां आस पास में एक प्रकार से सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है और इससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग भी जुड़ रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना वहां विभिन्न सांस्कृतिक त्योहारों पर कार्यक्रम आयोजित करते रहने से व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहने से भावनात्मक रूप से आस पास के क्षेत्र में एक उत्साह वर्धक परिणाम विकसित हो रहा है एवम बच्चों में भी एक प्रकार से भावनात्मक जुड़ाव बढ़ रहा है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

माँ जानकी बाल संस्कार केन्द्र, दयाल पैराडाइज

माँ जानकी बाल संस्कार केन्द्र, दयाल पैराडाइज,पूर्व भाग,लखनऊ

शिक्षिका का नाम सुश्री पूजा जी एवम सुश्री पुष्पा जी हैं।

केंद्र की वर्तमान सामान्य स्थिति में इस केन्द्र पर बच्चों की संख्या 25 से 30 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं क्योंकि यह केंद्र एक ऐसी बस्ती में है जहां के लगभग सभी बच्चे विद्यालय नहीं जाते है,माता पिता लेबर है और वह भी कुछ खास ध्यान नहीं देते,अतः यहाँ सेवा भारती सदस्यों व समाज के सहयोग से कुछ नए प्रयोग किये गए जैसे बच्चों को विद्यालय का यूनिफॉर्म देना,पढ़ने के स्थान को पक्का कर चबूतरा बनवाना, एक शिव मंदिर की स्थापना करवाना ,शिक्षिकाओं के लिए,मेज कुर्सी इत्यादि का प्रबंध करना,इसके परिणाम स्वरूप बच्चों में एक नए उत्साह का जागरण हुआ और उनमें पढ़ने को लेकर स्वतः जागरूकता विकसित हुई क्योंकि इस बस्ती में पढ़ने का वातावरण बिल्कुल नहीं था तो कहा जा सकता है कि केंद्र जिस गति से निरंतर चल रहा है वह दिन दूर नही जब समाज के सहयोग से यहां के वंचित बच्चे भी विद्यालय में जा सकेंगे वर्ण कुछ ने तो अब जाना भी शुरू कर दिया है, जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है केंद्र में समय समय पर होने वाले सामूहिक कार्यक्रमो जैसे,सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल,स्वछता अभियान,इत्यदि से भी बच्चों में उत्साह जनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं,जिसकी वजह से बच्चों का मानसिक व शारिरिक विकास तेजी से बढ़ रहा है एवम वहां आस पास में एक प्रकार से सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है और इससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग भी जुड़ रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहने से भावनात्मक रूप से आस पास के क्षेत्र में एक उत्साह वर्धक परिणाम विकसित हो रहा है एवम बच्चों में भी एक प्रकार से भावनात्मक विकास संभव हो पा रहा है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट
2023-2024

महात्मा बुद्ध बाल संस्कार केन्द्र, देवा रोड

महात्मा बुद्ध बाल संस्कार केन्द्र, देवा रोड, पूर्व भाग,लखनऊ

शिक्षक का नाम **श्रीमान अरुण जी** हैं।केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में इस समय बच्चों की संख्या 15 से 20 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में तेजी से जहां एक ओर संस्कार विकसित हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर उनकी पढ़ने में भी रुचि बढ़ रही है।केंद्र में समय समय पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमो,खेल,योग,इत्यादि की वजह से वहां के आस पास भी एक उत्साह का वातावरण बन रहा है व बच्चों का उत्साह भी विकसित हो रहा है, जिससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग एक जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहना सकारात्मक परिणाम ला रहा है।

भरत बाल संस्कार केन्द्र, भरत नगर, उत्तर लखनऊ

भरत बाल संस्कार केन्द्र, भरत नगर, उत्तर लखनऊ

शिक्षिका का नाम सुश्री पिंकी जी हैं।

केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में इस समय बच्चों की संख्या 10 से 15 के बीच रहती है,संख्यात्मक रूप से कमी आने के पीछे की वजह है कि यह जिस स्थान पर चल रहा था वहां के आस पास की पूरी बस्ती को सरकार द्वारा हटवा दिया गया था फिर भी आस पास के कुछ बच्चे वहां आते है,नए स्थान का चयन हो चुका है जहां यह केंद्र पुनः 30 से 40 बच्चों के बीच शुरू हो जाएगा क्योंकि वह स्थान घनी आबादी वाली पास ही कि बस्ती है। केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में तेजी से जहां एक ओर संस्कार विकसित हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर उनकी पढ़ने में भी रुचि बढ़ रही है,केंद्र में समय समय पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमो,खेल,योग,इत्यादि की वजह से वहां के आस पास भी एक उत्साह का वातावरण बन रहा है व बच्चों का उत्साह भी विकसित हो रहा है, जिससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग जुड़ रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहना सकारात्मक परिणाम ला रहा है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

श्री पुरम बाल संस्कार केन्द्र, त्रिवेणी नगर

श्री पुरम बाल संस्कार केन्द्र, त्रिवेणी नगर, उत्तर भाग,लखनऊ

शिक्षिका का नाम सुश्री अनामिका जी हैं।

केंद्र में वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 25 से 30 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है केंद्र में समय समय पर होने वाले सामूहिक कार्यक्रमो जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी, नई नई चीजें बनाना सीखना खेल,स्वछता अभियान,इत्यदि से भी बच्चों में उत्साह जनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं,जिसकी वजह से बच्चों का मानसिक व शारिरिक विकास तेजी से बढ़ रहा है एवम वहां आस पास में एक प्रकार से सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है और इससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग भी जुड़ रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना वहां विभिन्न सांस्कृतिक त्योहारों पर कार्यक्रम आयोजित करते रहने से व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहने से भावनात्मक रूप से आस पास के क्षेत्र में एक उत्साह वर्धक परिणाम विकसित हो रहा है एवम बच्चों में भी एक प्रकार से भावनात्मक जुड़ाव बढ़ रहा है व सीखने की क्षमता विकसित हो रही है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

RSB FOUNDATION

वीरांगना उदा देवी बाल संस्कार केन्द्र, हसनपुर खेवली

वीरांगना उदा देवी बाल संस्कार केन्द्र, हसनपुर खेवली, दक्षिण भाग,लखनऊ

शिक्षक का नाम श्रीमान शिवम जी हैं।केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 25 से 30 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है,इस केन्द्र के बच्चों में देश व आस पास की चीजों को लेकर एक विशेष प्रकार की जागरूकता देखने को मिलती है ,जो और केन्द्रों से इन्हें थोड़ा अलग दर्शाती है,केंद्र में समय समय पर होने वाले सामूहिक कार्यक्रमो जैसे खेल,स्वछता अभियान,जागरूकता अभियान,प्रश्नोत्तरी,इत्यदि से भी बच्चों में उत्साह जनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं,जिसकी वजह से बच्चों का मानसिक व शारिरिक विकास तेजी से बढ़ रहा है,इन्हें कई प्रकार के मंत्र याद हैं,कई प्रकार के गीत याद हैं और एक विशेष प्रकार की जागरूकता जो इनमें दिखती है कि इस केंद्र के बच्चे कुछ भी बताने में जरा भी नही डरते वह स्वयं से कुछ न कुछ बताना चाहते हैं जो इन्हें थोड़ा विशेष दर्शाती है एवम वहां आस पास में एक प्रकार से सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है और इससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग भी जुड़ रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना वहां विभिन्न सांस्कृतिक त्योहारों पर कार्यक्रम आयोजित करते रहने से व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहने से भावनात्मक रूप से आस पास के क्षेत्र में एक उत्साह वर्धक परिणाम विकसित हो रहा है एवम बच्चों में भी एक प्रकार से भावनात्मक जुड़ाव बढ़ रहा है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

श्री राम बाल संस्कार केन्द्र, कलंदर खेड़ा, आर. डी. एस. ओ

श्री राम बाल संस्कार केन्द्र, कलंदर खेड़ा, आर. डी. एस. ओ.,दक्षिण भाग,लखनऊ
शिक्षक का नाम श्रीमान भूपेंद्र जी हैं।

केंद्र की वर्तमान सामान्य स्थिति में इस केन्द्र पर बच्चों की संख्या 15 से 20 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं ,क्योंकि यह केन्द्र एक अति पिछड़ी बस्ती में है और जहां मूलभूत सुविधाएं भी न के बराबर हैं,जहां झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बस्ती के सभी जन रोजमर्रा के कामकाज करके अपना गुजारा कर रहे हैं ऐसे में वहां शिक्षा व संस्कार का वातावरण बनाना ही अपने आप मे एक बहुत बड़ा कार्य है जिसका प्रयास हम सभी निरंतर मिलकर कर रहे है,इस केन्द्र के परिणाम स्वरूप ही पीछे पास की एक झोपड़ी में आग लगने से सबकुछ खत्म हो गया था तब समाज के लोगों व सेवा भारती के प्रयासों से उस झोपड़ी को पुनः बनवाया भी गया जिसके परिणाम स्वरूप वहां के लोगों का एक हम सभी से आत्मीय संबंध भी स्थापित हुआ।यहां के बच्चों में तेजी से जहां एक ओर संस्कार विकसित हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर उनकी पढ़ने में भी रुचि बढ़ रही है।केंद्र में समय समय पर होने वाले कार्यक्रमो की वजह से वहां के आस पास भी एक उत्साहित माहौल विकसित हो रहा है जिससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग अच्छा महसूस कर रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहना भी एक सकारात्मक परिणाम लेकर आ रहा है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट
2023-2024

महादेव बाल संस्कार केन्द्र, ऊंचा टोला, नया पुरवा,केशव नगर, उत्तर लखनऊ

महादेव बाल संस्कार केन्द्र, ऊंचा टोला, नया पुरवा,केशव नगर,उत्तर लखनऊ
शिक्षका का नाम श्रीमती रेनू जी हैं।
केद्र की वर्तमान सामान्य स्थिति में इस केन्द्र पर बच्चों की संख्या 20 से 25 के बीच रहती है। केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में तेजी से जहां एक ओर संस्कार विकसित हो रहे हैं|

मनोकामना बाल संस्कार केन्द्र, महबुल्लापुर, अलीगंज,उत्तर लखनऊ

मनोकामना बाल संस्कार केन्द्र, महबुल्लापुर, अलीगंज,उत्तर लखनऊ
शिक्षका का नाम सुश्री कीर्ति जी हैं।
केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 15 से 30 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है,इस केन्द्र के बच्चों में देश व आस पास की चीजों को लेकर एक विशेष प्रकार की जागरूकता देखने को मिलती है |

भोलेनाथ बाल संस्कार केन्द्र, हनुमान नगर ,लखनऊ उत्तर

भोलेनाथ बाल संस्कार केन्द्र, हनुमान नगर,लखनऊ उत्तर
शिक्षका का नाम सुश्री कीर्ति जी हैं।
केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 20 से 30 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है,इस केन्द्र के बच्चों में देश व आस पास की चीजों को लेकर एक विशेष प्रकार की जागरूकता देखने को मिलती है |

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

माँ भुइंयन देवी बाल संस्कार केन्द्र, जुगल विहार,केशव नगर,लखनऊ उत्तर

माँ भुइंयन देवी बाल संस्कार केन्द्र , जुगल विहार,केशव नगर,लखनऊ उत्तर
शिक्षक का नाम सुश्री वैष्णवी जी हैं।
केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 20 से 30 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है,इस केन्द्र के बच्चों में देश व आस पास की चीजों को लेकर एक विशेष प्रकार की जागरूकता देखने को मिलती है |

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

सिद्धेश्वर महादेव बाल संस्कार केन्द्र, जानकी पुरम,लखनऊ उत्तर

सिद्धेश्वर महादेव बाल संस्कार केन्द्र, जानकी पुरम,लखनऊ उत्तर
शिक्षिका का नाम सुश्री सुहानी जी हैं।
केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 15 से 25 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है,केंद्र में समय समय पर होने वाले सामूहिक कार्यक्रमो जैसे खेल,स्वछता अभियान,इत्यदि से भी बच्चों में जागरूकता देखने को मिलती है।जिसकी वजह से वहां के आस पास भी एक प्रकार से सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है और इससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग भी जुड़ रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहना,भावनात्मक रूप से ग्राम में एक उत्साह वर्धक परिणाम लेकर आ रहा है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

जीवनदायिनी बाल संस्कार केन्द्र, प्रभातपुरम,लखनऊ पश्चिम

जीवनदायिनी बाल संस्कार केन्द्र, प्रभातपुरम,लखनऊ पश्चिम
शिक्षिका का नाम सुश्री वैष्णवी जी हैं।
केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 10 से 25 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है,केंद्र में समय समय पर होने वाले सामूहिक कार्यक्रमो जैसे खेल,स्वछता अभियान,इत्यदि से भी बच्चों में जागरूकता देखने को मिलती है।जिसकी वजह से वहां के आस पास भी एक प्रकार से सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है और इससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग भी जुड़ रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहना,भावनात्मक रूप से ग्राम में एक उत्साह वर्धक परिणाम लेकर आ रहा है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट
2023-2024

अभिमन्यु बाल संस्कार केन्द्र, एल डी कॉलोनी,आलमबाग,लखनऊ दक्षिण

अभिमन्यु बाल संस्कार केन्द्र, एल डी कॉलोनी,आलमबाग,लखनऊ दक्षिण
शिक्षिका का नाम सुश्री अंकिता जी हैं।
केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 15 से 25 के बीच रहती है।केन्द्र सुचारू रूप से चल रहा है एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है,केंद्र में समय समय पर होने वाले कार्यक्रमो की वजह से वहां के आस पास भी एक उत्साहित माहौल विकसित हो रहा है जिससे भावनात्मक रूप से आस पास के लोग अच्छा महसूस कर रहे हैं।समय समय पर सेवा भारती व सहयोगी संगठनों के सदस्यों द्वारा वहां जाते रहना व उन बच्चों के परिवारों से सम्पर्क करते रहना भी एक सकारात्मक परिणाम की दिशा में एक कदम ही माना जा सकता है।

विद्या प्रोजेक्ट वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

लक्ष्मी बाल संस्कार केन्द्र, श्रम विहार कॉलोनी, गड़ी कनौरा, मवैया लखनऊ पश्चिम

लक्ष्मी बाल संस्कार केन्द्र, श्रम विहार कॉलोनी, गड़ी कनौरा, मवैया लखनऊ पश्चिम
शिक्षिका का नाम **सुश्री पिंकी जी** हैं।
केंद्र पर वर्तमान सामान्य स्थिति में बच्चों की संख्या 30 से 35 के बीच रहती है।यह केन्द्र से अभी दो महीने पूर्व ही शुरू हुआ हैं एवम इसके परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं जिसकी वजह से यहां के बच्चों में मानसिक विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक विकास भी बढ़ रहा है क्योंकी यह केंद्र जिस स्थान पर है वहां के बच्चों में शिक्षा के प्रति नीरसता का भाव था एसे में यह केंद्र वहां के बच्चों में शिक्षा एवं संस्कार के प्रति जागरूकता का महत्पूर्ण स्थल साबित हो रहा हैं ।

सेवा भारती अवध प्रान्त सोशल मीडिया लिंक

1.फेसबुक :- https://www.facebook.com/seva.avadha

2. ट्विटर:-
https://twitter.com/sewaawadh?s=09

3. कू :- https://www.kooapp.com/profile/sewabharti_awadh

4.इंस्टाग्राम :-https://instagram.com/sewabharati.awadh?utm_medium=copy_link

5. ब्लॉगर :-
https://sewabharatiawadh.blogspot.com/

6. वेबसाइट :-
https://www.sewabharatiawadh.org/

Contact
for further inquiry
SriYudhveer ji - 9837800044 (Kshetra Sewa Pramukh)

Sri MBS Rajawat – 9415523037 (Project Team Leader)